प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि निवेश विक्रेताओं हेतु कृषि प्रसार सेवा में डिप्लोमा का शुभारम्भ

पंतनगर। 5 फरवरी 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषक भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में आज जनपद के कृषि निवेश विक्रेताओं (इनपुट डीलर) हेतु भारत सरकार द्वारा संचालित एक वर्षीय कृषि प्रसार सेवा में डिप्लोमा का उद्घाटन निदेशक, समेटी-उत्तराखण्ड एवं निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास, द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में डा. डबास द्वारा इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम का महत्व बताते हुए अवगत कराया गया कि भारत सरकार द्वारा कृषकों को अपने खेत पर लगने वाले कीट एवं बीमारियों के सही निदान में जनपद के कृषि निवेश विक्रेताओं का विशेष योगदान होता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से निवेश विक्रेताओं को कीट एवं बीमारियों की पहचान के साथ-साथ उनके नियंत्रण हेतु प्रयोग किये जाने वाले रसायनों के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी दी जायेगी, जिससे वे कृषकों को सही रसायन उपलब्ध करा सकें। डा. डबास द्वारा अवगत कराया गया कि कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर, पर भी इसी प्रकार का प्रशिक्षण शीघ्र प्रारम्भ होने जा रहा है।

इस अवसर पर उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य कृषि अधिकारी एवं परियोजना निदेशक 'आत्मा', ऊधमसिंहनगर, डा. अभय सक्सेना, द्वारा अपने सम्बोधन में विक्रेताओं को बाजार में नये रसायनों को प्राप्त कर कृषकों को उपलब्ध कराने का आह्वान किया गया। इस समारोह का संचालन करते हुए पाठ्यक्रम समन्वयक एवं सह-निदेशक, ई. अनिल कुमार, द्वारा पाठ्यक्रम का पूर्ण विवरण देते हुए विक्रताओं से अनुरोध किया गया कि वे इस पाठ्यक्रम में पूर्ण मनोयोग से प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिससे भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ कृषकों तक पहुंच सके। उन्होंने अवगत कराया कि इस पाठ्यक्रम का सप्ताह में एक दिन प्रत्येक बुधवार को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

समारोह में निदेशक संचार डा. एस.के. बंसल, एटिक के प्रभारी अधिकारी डा. बी.एस. कार्की तथा कृषि विभाग के सम्बन्धित कर्मचारी एवं अधिकारी भी उपस्थित थे।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते निदेशक समेटी एवं निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई. पी.एस. डबास